ख. पंडित शादीराम को यह आशा न थी कि कोयले की खान में हीरा मिल जाएगा।

.....

.....

.....

.....

.....

3. प्रत्यय अलग कीजिए—

सफलता	— ''सफल'' + ''ता''	मारवाड़ी	— ''मारवाड़'' + ''ई''
सच्चरित्रता	— सच्चरित + ''ता''	लोभी	— लोभ + ''ई''
उदारता	— उदार + ''ता''	सदाचारी	— सदाचार + ''ई''
सज्जनता	— सज्जन + ''ता''	उपकारी	— उपकार + ''ई''

4. निम्नलिखित पंक्तियों में कोष्ठक में दिए गए विरामचिह्नों का प्रयोग पाठानुसार कीजिए—

। , " " ! ? –

लाला सदानंद ने हैरान-सा होकर पूछा,
"पंडित जी, क्या सेठ ने एलबम खरीद लिया ?"
"जी हाँ, खरीद लिया।"
"और रुपए भी आ गए ?"
"जी हाँ।"
"एक हज़ार ?"
"जी हाँ।नहीं तो मुझ गरीब ब्राह्मण के पास क्या था जो आपका ऋण चुका पाता?परमात्मा ने मेरी सुन ली।"